ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

18-12-2024

कितना भी कोई आपकी सन्तुष्टता को हिलाने की कोशिश करे, लेकिन आप हिलना नहीं, सदा सन्तुष्ट रहना। सदा मुखड़ा मुस्कराता रहे। कैसी भी हिलाने वाली परिस्थिति ऐसे ही अनुभव हो जैसे पपेट (कठपुतली) शो देख रहे हैं। माया का वा प्रकृति का यह भी एक शो है। उसे साक्षी स्थिति में सदा सन्तुष्टता के स्वरूप में, अपनी शान में रहते हुए देखो – सन्तुष्ट मणि हूँ, सन्तोषी आत्मा हूँ... ये है संगम का श्रेष्ठ शान।

Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.

No matter how much someone tries to make your contentment fluctuate, you mustn't fluctuate. Always remain content. Let your face always be smiling. Any situation that might seem to make you fluctuate should be experienced to be as if you are watching a puppet show. This is also a show of Maya and the elements. Watch it whilst being in the stage of a detached observer and as an embodiment of contentment, whilst in your dignity of a jewel of contentment and a contented soul. This is the elevated dignity of the confluence age.